Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership &
Interaction session on Teachers Role in the Making of Institution (17/11/2014 at FMS, BHU)

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

राणसी जागरण

वाराणसी, 18 नवंबर 2014 www.jagran.com

नेतृत्व दक्षता के लिए खुद को पहचानना जरूरी

कार्यशाला में शामिल विद्वतजन।

◆ बीएचयू : प्रबंध शास्त्र संकाय में कार्यशाला

वाराणसी : प्रबंध शास्त्र संकाय (बीएचयू) में सोमवार को 'भविष्य में नेतृत्व के मूल मंत्र' पर प्रबंधन गुरुओं ने मंथन किया। यहां आयोजित कार्यशाला में भारतीय प्रबंध संस्थान (लखनऊ) के पद्मश्री प्रो. प्रीतम सिंह ने कहा कि नेतृत्व दक्षता के लिए खुद की पहचान जरूरी है। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप कुशल नेतृत्वकर्ता बन सकते हैं, लेकिन यह पहचानना होगा कि क्या बनना चाहते हैं। नेतृत्व दूरदृष्टि एवं मान्यता पर आधारित है। अपने सपनों को दूसरों तक फैलाना ही नेतृत्व है।

कुलपति प्रो. राजीव संगल ने कहा कि नेतृत्व की बुनियाद मर्यादा है। नेतृत्व दक्षता कम अवधि में नहीं प्राप्त की जा सकती। इसके लिए विषय का गहन अध्ययन जरूरी है। नेतृत्व का प्रारंभ तब होता है जब व्यक्ति स्व से उठकर समूह की गुणवत्ता के लिए संकल्पबद्ध हो जाता है।

इस मौके पर विवरण पुस्तिका एवं पत्रिका का विमोचन किया गया। स्वागत संकाय प्रमुख प्रो. आरके पांडेय, संचालन प्रो. एचपी माथुर व धन्यवाद प्रो. दीपक बर्मन ने किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां की।

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon

राष्ट्रीय सहारा
www.samaylive.com
सच कहने की हिम्मत
वाराणसी। मंगलवार • 18 नवम्बर • 2014

कुशल नेतृत्व से संवरेगा भविष्य

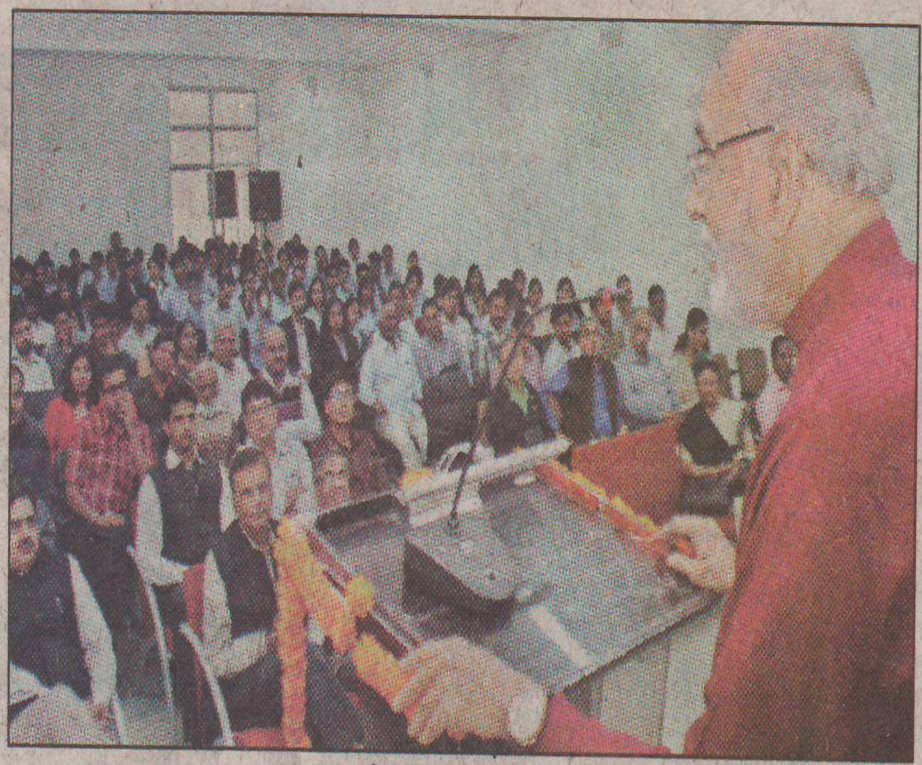

कार्यशाला को सम्बोधित करते प्रीतम सिंह। फोटो : एसएनबी

वाराणसी (एसएनबी)। काशी हिन्दू विश्वविद्याल के प्रबंध शास्त्र संकाय में सोमवार को भविष्य के मूल मंत्र विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आईआईएम लखनऊ के पूर्व निदेशक पद्मश्री से सम्मानित प्रो. प्रीतम सिंह ने कहा कि कुशल नेतृत्व क्षमता से ही भविष्य की संभावनाओ की तलाश संभव है। जीवन में स्वयं के क्षमता को आंकने तथा लक्ष्य के अनुसार प्रयास करना आवश्यक है। उन्होंने

बीएचयू प्रबंध शास्त्र संकाय में भविष्य का मूलमंत्र विषयक कार्यशाला

कहा कि छात्र स्वयं को पहचाने तथा भविष्य की संभावनाओं की तलाश के लिए दूर दृष्टि विकसित करें। व्यक्तित्व को निखारनें तथा ज्ञान को बढ़ाने के साथ ही सपनों को पालने की जरूरत है। अध्यक्षता कर रहे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक व प्रभारी कुलपति प्रो. राजीव संगल ने कहा कि नेतृत्व की जड़ मर्यादा में निहित है। इस अवसर पर विवरण पुस्तिका का विमोचन किया गया। अतिथियों का स्वागत संकाय प्रमुख प्रो. आरके पाण्डेय ने किया।

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon

LUCKNOW, TUESDAY NOVEMBER 18, 2014; PAGES 16 ₹3

the pioneer

Tomorrow's leadership is based on vision and shared values

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

The Faculty of Management Studies (FMS), Banaras Hindu University (BHU) organised an interactive workshop on the topic 'Mantras For Tomorrows' Leadership'. A large number of students and faculties of different departments participated in the workshop organised in the college auditorium.

The chief guest of the event was Prof Pritam Singh Padmashree, Former-Director, IIM(L) and MDI Gurgaon who said that the journey of leadership is a fascinating one. He encouraged the students by saying that each person can grow up to become a great leader, but sometimes people fail to realise who they really are and what exactly are they meant to be. According to him, tomorrow's leadership is based on vision and shared values. Moving ahead, he said that leadership is nothing but extending your dream to the dreams of others.

Prof Rajeev Sangal, Vice-Chancellor, BHU who presided over the event told the students that base of leadership can only with the nobility of purpose.

An interactive workshop being held at FMS BHU in Varanasi on Monday Pioneer

He shared his views by telling the students that leadership is not short-term and that no matter what one does, a deep knowledge of the subject is very necessary. Further, he said that leadership begins when one stops working for oneself and works for the excellence of one's team.

The dignitaries released the brochure and journal of the college. This was followed by a vocal recital by Dr Revati Sakalkar.

The event stared with a welcome address by the Dean, Prof RK Pandey. Prof HP Mathur coordinated the programme.

A vote of thanks was proposed by Prof Deepak Barman, former Dean, FMS BHU. Students appreciated the content and context of the workshop delivered.

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon

आज

आज वाराणसी, १८ नवम्बर, २०१४

वाराणसी महानगर

बीएचयू के प्रबन्ध शास्त्र संकायमें आयोजित कार्यशालाको सम्बोधित करते प्रोफेसर प्रीतम सिंह।

बंधन के क्षेत्र में सशक्त नेतृत्व का होना जरूरी

बीएचयू प्रबंध शास्त्र संकाय में आयोजित भविष्य के नेतृत्वकर्ता विषयक कार्यशाला के उद्घाटन पर प्रोफेसर प्रीतम सिंह के विचार

धन के क्षेत्र में अपने क्षमता को विकसित करने रुरत है। भविष्य के र्ता दूरदृष्टि एवं मान्यता पर त होंगे। प्रबंधन के क्षेत्र में एक आकर्षण यात्रा को होता है। ऐसी स्थिति में ो अपने अन्दर आनम- , लगन, धैर्य, शलता को संस्कार के लेकर अच्छे नेतृत्व के लना जरुरी है। यह बात को काशी हिन्दू द्यालय प्रबंध शास्त्र की ओर से प्रबंधकीय आयोजित एक दिवसीय के नेतृत्वकर्ता' विषयक ला का उद्घाटन ईएम, लखनऊ एवं एम.डी.आई गुड़गांव के पूर्व निदेशक पद्मश्री प्रोफेसर प्रीतम सिंह ने कहीं। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए भविष्य में प्रबंधकीय क्षेत्र में नेतृत्व क्षमता के मूलमंत्र को विस्तार से बताया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कार्यवाहक वाइसचांसलर एवं आई.आई.टी.बीएचयू के निदेशक प्रोफेसर राजीव संगल ने कहा कि नेतृत्व का जड़ संस्कार और मर्यादा है।

नेतृत्व क्षमता को कम अवधि में विकसित नहीं किया जा सकता।

नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए संस्कार के साथ-साथ गहन अध्ययन की भी जरुरत है। उन्होंने कहा कि प्रबंधकीय क्षेत्र में नेतृत्व मन से उठकर समूह और समाज की गुणवत्ता के लिए संकल्पबद्ध हो जाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रीतम सिंह एवं बीएचयू के कार्यवाहक वाइसचांसलर प्रोफेसर राजीव संगल ने संयुक्त रुप से प्रबंध शास्त्र संकाय की पत्रिका का विमोचन भी किया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

अतिथियों का स्वागत प्रबंध शास्त्र संकाय के प्रमुख प्रोफेसर आर.के.पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह का संचालन प्रोफेसर एच.पी.माथुर एवं धन्यवाद ज्ञापन पूर्व संकाय प्रमुख प्रोफेसर दीपक वर्मन ने किया।

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon

hindustantimes
hindustantimes.com
Lucknow / LATE CITY Vol. XVII No. 271 Price ₹4.00 20 pages, including HT City
TUESDAY, NOVEMBER 18, 2014

FMS-BHU students get leadership tips

VARANASI: The faculty of management studies (FMS), Banaras Hindu University (BHU), organised an interactive workshop on 'Mantras For Tomorrow's Leadership'. A large number of students and faculties of different departments participated in the workshop. Padma Shri Pritam Singh, former director IIM (L), was the chief guest on the occasion.

He encouraged students by saying that each person can grow into a great leader but sometimes people fail to realise who they really are and what exactly they want to be.

According to him, tomorrow's leadership is based on vision and shared values. He added that leadership was nothing but extending your dream to the dreams of others. Rajeev Sangal, acting vice chancellor, BHU, who presided over the event, stated that the base of leadership could only with the nobility of purpose. He shared his views by telling students that leadership was not short term and that no matter what one did, a deep knowledge of the subject was very much necessary.

Sangal added that leadership begins when one stops working for oneself and works for the excellence of one's team. The dignitaries released a brochure and a journal on the occasion. This was followed by a vocal recital by Dr Revati Sakalkar.

The event stared with a welcome address by RK Pandey, dean, FMS, BHU. HP Mathur coordinated the programme. A vote of thanks was proposed by Deepak Barman, former dean, FMS, BHU. **HTC**

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon

वाराणसी, मंगलवार, 18 नवम्बर, 2014

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

'नेतृत्व की जड़ है मर्यादा'

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रबन्ध शास्त्र संकाय द्वारा आने वाले कल के नेतृत्वकर्ता विषय पर सोमवार को गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्यअतिथि पद्मश्री प्रो. प्रीतम सिंह ने कहा कि नेतृत्व एक आकर्षक यात्रा होती है।

उन्होंने कहा कि सभी छात्र एक कुशल नेतृत्वकर्ता बन सकते हैं, लेकिन वे अपने आप को पहचान नहीं पाते हैं की वे क्या बनना चाहते हैं। उनके अनुसार कल के नेतृत्वकर्ता दूरदृष्टि एवं मान्यता पर आधारित है। नेतृत्व अपने सपनों को दूसरों के सपनों तक फैलाना है। बीएचयू के कुलपति प्रो. राजीव संगल ने छात्रों से कहा की नेतृत्व की जड़ मर्यादा है। प्रो. संगल ने कहा कि नेतृत्व कम अवधि में नहीं प्राप्त की जा सकती है एवं इसके लिए विषय के गहन अध्ययन की आवश्यकता है। उनके अनुसार नेतृत्व का प्रारम्भ तब होता है जब व्यक्ति खुद से उठकर अपने समूह की गुणवत्ता के लिए संकल्पबद्ध हो जाता है। प्रो. प्रीतम सिंह, प्रो. राजीव संगल के नेतृत्व में प्रबन्ध छात्र संकाय की विवरण पुस्तिका एवं पत्रिका का विमोचन किया गया। वहीं डॉ.रेवती सावलकर ने गायन प्रस्तुत किया। प्रो. आरके पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन प्रो.एनपी माथुर ने किया।

प्रजातंत्र में तार्किकता होना जरूरी

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विधि संकाय में शिक्षित भारत, सक्षम भारत विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कुलपति प्रो. राजीव संगल ने लोकतंत्र के वास्तविक महत्व को इंगित करते हुए कहा कि प्रजातंत्र में तार्किकता को ही स्थान दें, भीड़, शोर शराबा करने से प्रजातंत्र नहीं बन जाता। छात्र संसद इस कड़ी में एक उपयुक्त मंच है जो कि छात्रों के सर्वांगिण विकास के लिए आवश्यक है। रेक्टर प्रो. कमल शील ने लोकतंत्र में आस्था और आपसी समन्वय पर जोर दिया और इसी राह पर छात्रों को चलने के लिए कहा। छात्र अधिष्ठाता प्रो. एमके सिंह ने इस छात्र संसद को इतने कम समय में इतना अच्छा मूर्त रूप देने में आयोजकों को साधुवाद दिया।

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
मंगलवार • 18 नवम्बर 2014

कुशल नेतृत्व के लिए खुद को पहचानें छात्र

वाराणसी। आज के छात्रों में कुशल नेतृत्वकर्ता बनने की क्षमता है, जरूरत है उन्हें अपनी क्षमता की पहचान करने की। इसके लिए गहन अध्ययन और कड़ी मेहनत करनी होगी।

बीएचयू के प्रबंधशास्त्र संकाय में 'आने वाले कल के नेतृत्वकर्ता' विषय पर सोमवार को आयोजित कार्यशाला में ये बातें छात्र-छात्राओं को बताई गयीं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ के पूर्व निदेशक पद्मश्री प्रो. प्रीतम सिंह ने कहा कि नेतृत्व एक आकर्षक यात्रा होती है। सभी छात्र कुशल नेतृत्वकर्ता बन सकते हैं। आनेवाले कल का नेतृत्व करने के लिए दूरदर्शिता और मान्यताओं की मजबूत बुनियाद की जरूरत होगी। एक कुशल नेतृत्वकर्ता अपने सपनों को समाज के लोगों तक फैला देता है।

अध्यक्षता करते हुए बीएचयू के प्रभारी कुलपति प्रो. राजीव संगल ने कहा कि नेतृत्व की जड़ मर्यादा है। इसे कम अवधि में कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता। नेतृत्व की क्षमता का विकास तब होता है, जब व्यक्ति स्व से उठकर अपने समूह की गुणवत्ता के लिए संकल्पबद्ध होता है। अतिथियों ने संकाय की विवरण पुस्तिका व पत्रिका विमोचन किया। वसं.

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon

अमर उजाला

मंगलवार 18 नवंबर 2014

अपने सपनों को दूसरों से जोड़ना ही लीडरशिप : प्रो. प्रीतम

वाराणसी (ब्यूरो)। आईआईएम लखनऊ के पूर्व निदेशक प्रो. प्रीतम सिंह ने कहा कि अपने सपनों को दूसरों के सपनों से जोड़ना ही लीडरशिप की सबसे अहम कड़ी है। जिस दिन आप अपने सपनों से ज्यादा दूसरों के सपनों को साकार करना, अपना उद्देश्य बना लेंगे उस दिन आप में खुद-ब-खुद नेतृत्व भावना आ जाएगी।

बीएचयू में कार्यशाला आयोजित

सोमवार को बीएचयू के प्रबंध शास्त्र संकाय में मैनेजमेंट के छात्रों से उन्होंने कई मूलमंत्रों को साझा किया। संकाय में आयोजित 'मंत्राज फॉर टूमॉरोज लीडरशिप' विषयक कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप भविष्य के लीडर है। भविष्य का नेतृत्व आपकी दृष्टि और आपके मूल्यों पर ही आधारित है। अध्यक्षता करते हुए प्रभारी कुलपति प्रो. राजीव संगल ने भी विचार व्यक्त किया। स्वागत संकाय प्रमुख प्रो. आरके पांडेय ने किया। संचालन प्रो. एचपी माथुर व धन्यवाद ज्ञापन प्रो. दीपक बर्मन ने किया।

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon

www.inextlive.com

inext

हर दिन एक नई शुरुआत

आई नेक्स्ट

18 November 2014

'नेतृत्व' के लिए खुद को पहचानना जरूरी

VARANASI: मैनेजमेंट फैकल्टी, बीएचयू में सोमवार को 'भविष्य में नेतृत्व के मूल मंत्र' सब्जेक्ट पर मंथन हुआ. यहां आयोजित वर्कशॉप में आईआईएम, लखनऊ के पद्मश्री प्रो. प्रीतम सिंह ने कहा कि नेतृत्व दक्षता के लिए खुद की पहचान जरूरी है. स्टूडेंट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आप कुशल नेतृत्वकर्ता बन सकते हैं, लेकिन यह पहचानना होगा कि क्या बनना चाहते हैं. नेतृत्व दूरदृष्टि एवं मान्यता पर आधारित है. अपने सपनों को दूसरों तक फैलाना ही नेतृत्व है. इस मौके पर वीसी प्रो. राजीव संगल ने कहा कि नेतृत्व की बुनियाद मर्यादा है. नेतृत्व दक्षता कम अवधि में नहीं प्राप्त की जा सकती. इसके लिए विषय का गहन अध्ययन जरूरी है. इस अवसर पर विवरण पुस्तिका एवं पत्रिका का विमोचन किया गया. वेलकम डीन प्रो. आरके पांडेय, संचालन प्रो. एचपी माथुर व धन्यवाद प्रो. दीपक बर्मन ने किया.

Media coverage of 'Workshop on Mantras for Tomorrow's Leadership' organized by FMS BHU on 17/11/2014. (Key Resource Person: Prof. Pritam Singh *Padmasri* Former Director, IIM (L) & MDI Gurgaon